संपादकीय

बचाव हो प्राथमिकता

अफगानिस्तान में जिस तेजी से घटनाक्रम बदला, उसने पूरी दुनिया को हैरत में डाला है, जिसके चलते तमाम देशों के नागरिकों की सुरक्षित वापसी को अंजाम देना संभव नहीं हो रहा। अमेरिका व नाटो सेनाओं की वापसी का कार्यक्रम घोषित होने के बाद तालिबान की सत्ता में वापसी तय थी लेकिन इतनी जल्दी काबुल सरकार का पतन हो जायेगा, ऐसी उम्मीद न थी। अतः पंद्रह अगस्त को तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा किये जाने के एक सप्ताह बाद भी बड़ी संख्या में भारतीय अफगानिस्तान के विभिन्न शहरों में फंसे हुए हैं। इनमें वे भारतीय कर्मचारी भी शामिल हैं जो इस युद्धग्रस्त देश में विभिन्न विकास परियोजना स्थलों पर तैनात थे। तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा करने के दो दिन के भीतर भारत सरकार ने राजदूत व दूतावास के अन्य कर्मचारियों समेत करीब दो सौ लोगों को अफगानिस्तान से निकाल लिया। सोलह अगस्त की पहली उड़ान में चालीस लोगों को वापस लाया गया, उसके बाद डेढ़ सौ लोगों को भारत लाया गया। ऐसा लगता है कि केंद्र सरकार ने दूतावास को बंद करके और राजनयिकों व अन्य अधिकारियों को तुरंत एयरलिफ्ट करके एकतरफा सोचा और उस पर तुरंत कार्रवाई की। यद्यपि भारत सरकार लगातार इस बात पर बल देती रही है कि अफगानिस्तान से सभी भारतीयों को सुरक्षित निकालना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और रहेगी। लेकिन हालात की जटिलताओं के चलते उत्पन्न होने वाली बाधाओं का दूरदृष्टि के साथ आकलन नहीं किया गया। अफगानिस्तान के विभिन्न शहरों में फंसे भारतीयों की निकासी में आने वाली बाधाओं को ध्यान में रखकर रणनीति तैयार करने की जरूरत थी। दरअसल, काबुल में सरकार के पतन के बाद ही पूरे अफगानिस्तान में अराजकता का माहौल व्याप्त हो गया है। प्रशासन के नाम पर आधुनिक हथियारों से लैस तालिबानियों का कब्जा है। यहां तक कि हवाई अड्डे आने वाले लोगों को जगह-जगह रोका जा रहा है। ऐसे में भारतीय दूतावास से मदद न मिलने के कारण अफगानिस्तान में फंसे भारतीयों की स्थिति बेहद चिंताजनक हो चली है।

दरअसल, इन विषम परिस्थितियों के बीच अफगानिस्तान में सैकड़ों ऐसे भारतीय कामगार हैं, जो खुद को बेहद मुश्किल में फंसा पा रहे हैं। कई भारतीय कामगारों के पास उनके पासपोर्ट तक नहीं हैं। ये उनके नियोक्ताओं ने अपने पास जमा करा लिये थे। जब तालिबान ने चौतरफा हमला किया तो ये नियोक्ता अपनी जान बचाकर भाग खड़े हुए। ऐसे में इन भारतीय कामगारों का अफगानिस्तान से निकलना बेहद जटिल होता जा रहा है। हालांकि, इन मुश्किल हालात में दस्तावेजों को निर्णायक कारक नहीं माना जाना चाहिए, क्योंकि इन परिस्थितियों में उनकी जीवन सुरक्षा ही दांव पर लगी हुई है। ऐसे में स्थिति और ज्यादा खराब हो जाती है जब परदेश में फंसे लोगों की सहायता कर सकने वाला दूतावास का कोई कर्मचारी भी उपलब्ध न हो। केंद्र सरकार को नागरिकों के हित में अपने अन्य विकल्पों पर अतिशीघ्र विचार करना चाहिए। अन्य चैनलों के माध्यम से तालिबान से संवाद की गुंजाइश भी रखनी चाहिए ताकि मुश्किल हालात में फंसे भारतीयों के जीवन की रक्षा की जा सके। कूटनीतिक स्तर पर प्रयासों के जरिये तालिबान को अहसास कराया जाना चाहिए कि पिछले दो दशकों में भारत ने अफगानिस्तान के रचनात्मक विकास में निर्णायक भूमिका निभायी है। भारत ने करीब तीन अरब डॉलर से अधिक धनराशि का अफगानिस्तान की विभिन्न विकास योजनाओं में बड़ा निवेश किया है। इसमें अफगानिस्तान की चार सौ से अधिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर किया गया निवेश भी शामिल है। यहां तक कि अफगानिस्तान के नये संसद भवन का निर्माण भी भारतीय निवेश के जरिये किया गया। ऐसे में अफगानिस्तान के लोगों के कल्याण के लिये किये गये भारतीय प्रयासों को यूं ही जाया नहीं होने देना चाहिए। जल्दी ही काबुल में नयी तालिबान सरकार का गठन होने जा रहा है। भारत को अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के लिये और स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में किये गए विकास की पहल के साथ आगे बढ़ना चाहिए। काबुल में भारत की उपस्थिति नये शासकों के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने की कोशिश के रूप में होनी चाहिए।

भाविना पटेल का टेबल टेनिस में कमाल, क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाली बनीं पहली भारतीय

टोक्यो। भारत की भाविना पटेल महिलाओं के टेबल टेनिस के क्लास फोर इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने राउंड ऑफ 16 के मैच नंबर 20 में ब्राजील की ओलिविएरा को शिकस्त दी। भाविना पटेल ने ये मैच तीसरे गेम में ही जीत लिया। भाविना ने पहला गेम 12-10 से, दूसरा गेम 13-11 से और तीसरे गेम में 11-6 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भाविना पटेल देश के लिए मेडल जीतने के एक कदम और करीब पहुंच गई हैं। अच्छी बात ये है कि टोक्यो पैरालिंपिक्स में भाविना का फॉर्म शानदार दिख रहा है और वो एक के बाद एक अपने मुकाबले जीतती दिख रही हैं।

इससे पहले उन्होंने ग्रेट ब्रिटेन की मेगान शैकलेटॉन को 3-1 से हराया था। भाविना ने ग्रेट ब्रिटेन की खिलाड़ी के खिलाफ अपना मैच 11-7, 9-11, 17-15, 13-11 के अंतर से जीता था और अगले राउंड यानी राउंड ऑफ 16 का टिकट कटाया था। इस मैच में भाविना की बेहतर

शुरुआत को दूसरे राउंड में ग्रेट ब्रिटेन की पैडलर ने बाउंस बैक करते हुए कड़ी चुनौती दी थी, लेकिन फिर अगले दो गेम को भाविना ने अच्छे से कंट्रोल किया और अपनी जीत पक्की की।

भारत की भाविना पटेल ने टेबल टेनिस में नया इतिहास लिखा है। दरअसल, ये पहली बार है जब भारत का कोई पैडलर टोक्यो पैरालिंपिक्स के टेबल टेनिस में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचा है। भाविना पटेल ने ये कमाल ब्राजीलियन पैडलर को हराते हुए किया है। अपनी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए भाविना ने कहा कि उन्होंने अपने ब्राजीलियन विरोधी को ज्यादातर बॉडी पर खिलाया, जो कि उसकी कमजोरी थी और उसी का रिजल्ट उन्हें जीत के तौर पर मिला।

क्वार्टर फाइनल में भाविना की टक्कर अब वर्ल्ड नंबर 2 पैडलर से है पर भाविना इसे लेकर थोड़ी भी नर्वस नहीं है। उन्होंने कहा कि वो अपना बेस्ट देंगी और जीतने की कोशिश करेंगी। उम्मीद है कि भाविना अपनी इस सोच पर 100 फीसद खरी उतरेंगी और देश को मेडल दिलाने की कोशिश करेंगी।

बजाज फाइनेंस ने किया आगाह, जालसाजों से रहें होशियार

नईदिल्ली। वित्तीय सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने अपने ग्राहकों को लोन के लिए अनिवार्य बीमा पॉलिसी की पेशकश करने वाले जालसाजों से होशियार रहने को आगाह किया है।

कंपनी ने कहा कि जालसाज लोन लेने की पूर्व शर्त के रूप में उन्हें अनिवार्य रूप से जीवन बीमा खरीदने का प्रलोभन देते हैं। बजाज फाइनेंस लिमिटेड के प्रतिनिधि के छद्म रूप में संभावित ऋणी से कहते हैं कि प्रीमियम की राशि उनकी इच्छित लोन राशि का कुछ प्रतिशत होगी और इस तरह जनता को बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए बहकाते हैं।

कंपनी ने ग्राहकों को आगाह किया है कि जिस किसी भी व्यक्ति को लोन की जरूरत हो तो उन्हें कंपनी की निकटतम शाखा से संपर्क करना चाहिए या कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर पता करना चाहिए। उन्हें कभी भी अनधिकृत या अंजान बिचौलिए या अंजान जालसाजों के साथ बातचीत नहीं करनी चाहिए। कंपनी इस प्रकार की धोखाधड़ी की घटनाओं के विरुद्ध विभिन्न माध्यमों से जागरूकता अभियान चला रही है।

इंटरनेट और मोबाइल से जुड़े उद्योग का होगा 83.5 करोड़ डॉलर का कारोबार

नईदिल्ली। देश में इंटरनेट और मोबाइल से जुड़े उद्योगों का कारोबार वर्ष 2025 तक तीस करोड़ डॉलर से बढ़कर 83.5 करोड़ डॉलर पर पहुंच जाएगा। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) के सातवें एफिलिएट सम्मेलन में वी कमीशन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी पारुल भार्गव ने कहा कि इंटरनेट और मोबाइल से जुड़े उद्योगों में पर्याप्त क्षमता है और उसका कारोबार तेजी से पटरी पर लौट रहा है। इसकी बदौलत इस क्षेत्र का कारोबार वर्ष 2025 तक तीस करोड़ डॉलर से बढ़कर 83.5 करोड़ डॉलर पर पहुंच जाएगा।

सुश्री भार्गव ने कहा कि कोरोना महामारी से इंटरनेट और मोबाइल से जुड़े उद्योग प्रभावित नहीं हुए हैं। निश्चित रूप से डिजिटल और संबंधित उद्योग का कारोबार बढ़ा है। डिजिटल बाजार के बजट में संबंधित उद्योग की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत है। ई-कॉमर्स, यात्रा, होमस्टे, बीएफएसआई, शिक्षा, गेमिंग, वेब सीरीज और स्वास्थ्य ऐसे शीर्ष बाजार हैं, जिनका संबंधित उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान है।

ग्रैबऑन के संस्थापक अशोक रेड्डी ने कहा कि इंटरनेट और मोबाइल से जुड़े उद्योग कुछ वर्षों में कई गुना तेजी से बढ़ा है। इसमें कोई शक नहीं है कि आगे भी इस उद्योग का तेजी से विकास जारी रहेगा। ऑप्टिमाइज के प्रबंध निदेशक एल. डी. शर्मा ने कहा कि इस क्षेत्र के कोरोबार का अगले कुछ वर्षों में अरबो डॉलर का उद्योग बनने की पूरी क्षमता है। हालांकि धोखाधड़ी की बढ़ रही गतिविधियां इस उद्योग के लिए चिंता का विषय है।

भारत बनाम इंग्लैंड: 423 पर ओल आऊट हुई अंग्रेज टीम, भारत पर बनाई 354 रनों की बढ़त

लीड्स। शुक्रवार को हेडिंग्ले में तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन भारत के खिलाफ इंग्लैंड की टीम 132.2 ओवर में 432 रन पर आउट हो गई। मेजबान टीम अपने स्कोर में केवल नौ रन जोड़ सकी और पहली पारी में 354 रन की बढ़त ले ली।

इंग्लैंड के लिए क्रेग ओवरटन ने गेंद को दोनों तरफ से विकेट के वर्ग के माध्यम से लगातार बाउंड्री

के साथ घुमाया। लेकिन उन्हें मोहम्मद शमी ने लेग बिफोर विकेट आउट कर दिया। ओवरटन (32) ने इसकी समीक्षा की, लेकिन वह व्यर्थ साबित हुई। जसप्रीत बुमराह ने ओली रॉबिन्सन (0) के ऑफ स्टंप को मारकर इंग्लैंड की पारी का अंत किया।

इंग्लैंड के लिए, कप्तान जो रूट अपने घरेलू मैदान पर 121 रनों की शानदार पारी के साथ शो के स्टार थे, जो उनकी श्रृंखला का तीसरा शतक था। डेविड मलान, रोरी बर्न्स और हसीब हमीद ने उपयोगी अर्धशतकों के साथ रूट का समर्थन किया।

एशियाई जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची विशु राठी, तनु और निकिता

नईदिल्ली। भारतीय मुक्केबाज विशु राठी, तनु और निकिता चंद ने दुबई में चल रहे एएसबीसी एशियाई युवा और जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लड़कियों के जूनियर वर्ग के फाइनल में जगह बना ली है। प्रतियोगिता के सातवें दिन भारतीय लड़कियों ने शानदार प्रदर्शन किया और अपने-अपने विरोधियों पर हावी रहीं। 48 किग्रा के सेमीफाइनल में खेलते हुए, विशु ने मंगोलिया के ओटगोनबैट येसुंखुसलेन के खिलाफ जीत दर्ज की। विशु का हमला इतना जोरदार था कि रेफरी को पहले दौर में ही प्रतियोगिता को रोकना पड़ा और भारतीय को विजेता घोषित करना पड़ा। बाद में, तनु (52 किग्रा) और निकिता (60 किग्रा) ने भी अपने अंतिम -4 मुकाबलों में क्रमशः नेपाल की स्वस्तिका और उज्बेकिस्तान की तोखिरोवा मुखलिसा के खिलाफ सर्वसम्मत फैसलों से जीत दर्ज की।

विशु, तनु और निकिता के फाइनल में प्रवेश करने के साथ, भारत के पास अब लड़कियों के जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक मुकाबले में 10 लड़कियां रिंग में उतरेंगी। मुस्कान (46 किग्रा),

आंचल सैनी (57 किग्रा), माही राघव (63 किग्रा), रुद्रिका (70 किग्रा), प्रांजल यादव (75 किग्रा), संजना (81 किग्रा), और कीर्ति (81 किग्रा) ने पहले ही फाइनल में स्थान सुरक्षित कर लिया है। देविका घोरपड़े (50 किग्रा), आरजू (54 किग्रा) और सुप्रिया रावत (66 किग्रा) ने इससे पहले सेमीफाइनल में पहुंचकर कांस्य पदक जीते थे।

इस बीच, लड़कों के वर्ग में, आशीष (54 किग्रा) और अंशुल (57 किग्रा) को अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा और कांस्य पदक के साथ संतोष करना पड़ा। लड़कों के जूनियर वर्ग में, रोहित चमोली (48 किग्रा), गौरव सैनी (70 किग्रा), और भरत जून (81 किग्रा) पहले ही फाइनल में पहुंच चुके हैं, जबकि अंकुश (66 किग्रा) ने सेमीफाइनल में हार के साथ कांस्य पदक जीता।

आज का राशिफल

मेष : आज आप का दिन अनुकूल है। स्वस्थ तन-मन से आज सारे कार्य कर पाएंगे, परिणामस्वरूप आपमें ऊर्जा एवं उत्साह छलकेगा। लक्ष्मीजी की कृपा आप पर रहेगी।

वृषभ : आज का दिन सावधानीपूर्वक बिताएं। आप का मन अनेक प्रकार की चिंताओं से ग्रस्त होगा। स्वास्थ्य बिगड़ सकता है एवं आंखों में पीड़ा होने की संभावना है।

मिथुन : अविवाहितों को योग्य जीवनसाथी मिल जाए ऐसे योग हैं। धन प्राप्ति के लिए शुभ दिन है। मित्रों से मुलाकात आनंदप्रद होगी और उनसे लाभ भी हो सकता है।

कर्क : आज आप धार्मिक कार्य, पूजा-पाठ आदि में व्यस्त रहेंगे। धार्मिक स्थान की मुलाकात से आनंद प्राप्त होगा।

सिंह : आज आप को विपरित संयोग का प्रतिकार करना पडेगा। स्वास्थ्य के प्रति ध्यान दें। स्वास्थ्य बिगडने से आकस्मिक खर्च का प्रसंग आ सकता है।

कन्या : सामाजिक तथा अन्य क्षेत्रों में ख्याति या सम्मान प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्राभुषण की खरीदी भी हो सकती है। वाहनसुख प्राप्त होगा।

तुला : आज घर में सुख-शांति का वातावरण बने रहने से आपकी प्रसन्नता में वृद्धि होगी। कार्यालय में सहकर्मियों के साथ सहकारपूर्वक कार्य कर सकेंगे।

वृश्चिक : आपका दिन मध्यम फलदायी होगा। विद्यार्थियों को अभ्यास में सफलता मिल सकती है। नए कार्यों का प्रारंभ आज न करें।

धनु : आज के दिन मन में उदासीनता छाई रहेगी। शरीर में स्फूर्ति तथा मन में प्रफुल्लितता का अभाव रहेगा। आपका स्वभिमान भंग न हो इसका ध्यान रखें।

मकर : आज का दिन नए कार्यों का प्रारंभ करने के लिए शुभ है। नौकरी, व्यापार तथा दैनिक हर कार्य में अनुकूल परिस्थिति रहने से मन मे प्रसन्नता बनी रहेगी।

कुंभ : धार्मिक कार्य में खर्च हो सकता है। पारिवारिक वातावरण बिगड़ सकता है। कार्य में असफलता मन में असंतोष तथा निराशा जगाएगी।

मीन: आप का दिन शुभ फलदायी है। उत्साह तथा स्वस्थता बनी रहेगी। नए कार्य के प्रारंभ के लिए दिन अच्छा है। परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के साथ भोजन का अवसर प्राप्त होगा।

समान-लिंग प्रेम के लेखन पर अक्षय डोगरा ने की खुलकर बात

अभिनेता अक्षय डोगरा ने क्राइमस एंड कंफेशन शो में एक खंड लिखा है। श्रद्धा आर्य-स्टारर ड्रीम गर्ल जैसे कई शो लिखने के बाद अक्षय ने इस मर्डर मिस्ट्री में एक सेगमेंट लिखा है। उनके सेगमेंट शेम शेम में श्वेता गुलाटी मुख्य भूमिका में हैं और यह चार महिलाओं की कहानी है, जिनके अंतरंग संबंध हैं।

समलैंगिक संबंधों के इर्द-गिर्द घूमती कहानी की बात करें तो इस प्यार को क्या नाम दूं? अभिनेता ने कहा कि अंत में, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह एक पुरुष, महिला या कोई और है, हम सभी

इंसान हैं, बस यही अवधि है। वे भावनाएं हमेशा सार्वभौमिक रहेंगी। इसलिए अंततः, भावनाएं पूरी तरह से व्यक्तिगत हैं। यह पूरी तरह से मानवीय है, सार्वभौमिक है और इसका कोई लिंग नहीं है।

अभिनेता ने यह भी खुलासा किया कि कैसे उन्हें शो लिखने के लिए अपनी आंतरिक भावनाओं का इस्तेमाल करना पड़ा। उन्होंने कहा कि मैं बाहर जाकर किसी से बात नहीं कर सकता था कि वे क्या महसूस करते हैं। बेशक, मेरे समलैंगिक दोस्त हैं, इसलिए मैंने उन्हें बात करते सुना है। मैंने उन्हें अपनी भावनाओं को व्यक्त करते सुना है, वे क्या कर चुके हैं, क्या नहीं। इसलिए मैंने इसे ध्यान में रखा था, और फिर मुझे इसे खुद ही आंतरिक करना पड़ा। एकतरफा प्यार और अपने स्वयं के अनुभव के बारे में बात करते हुए, डोगरा ने कहा कि मैं अपनी पत्नी के साथ रहा हूं, हमारी शादी को 12 साल हो चुके हैं।

अगली फिल्म में मां की भूमिका निभाएंगी नीलू कोहली

हाउसफुल 2 और मनमर्जियां जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री नीलू कोहली क्या मेरी सोनम गुप्ता बेवफा है में मां की भूमिका निभाती नजर आएंगी। उन्होंने कहा, यह जीवन का एक टुकड़ा है। यह एक कॉमेडी रोमांस है। मैंने सुरभि की मां की भूमिका निभाई है जो अपनी बेटी के बारे में बहुत चिंतित है। दर्शकों को फिल्म में मेरी भूमिका देखने में मजा आएगा। हमने लगभग डेढ़ साल पहले ही फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली थी। यह लंबे समय से प्रतीक्षित रिलीज है।

नीलू को दिवंगत अभिनेत्री

सुरेखा सीकरी के साथ फिल्म में काम करना भी याद है, जिनका 16 जुलाई को निधन हो गया था। नीलू को नामकरण और जमाई राजा जैसे टीवी शो में काम करने के लिए जाना जाता है ।

उन्होंने कहा, मैं भगवान की शुक्रगुजार हूं कि मुझे सुरेखा जी के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने का मौका मिला, वह भी उनकी आखिरी फिल्म में।

चाय से जुड़े इन भ्रमों को सच मानते हैं लोग, जानिए इनकी सच्चाई

कई लोगों के दिन की शुरूआत एक कप चाय के साथ होती है, वहीं कुछ लोग ऐसे हैं जो तरह-तरह की चाय का सेवन टॉनिक के रूप में करते हैं। हालांकि जैसे-जैसे लोगों के बीच तरह-तरह की चाय मशहूर हुई है, वैसे-वैसे लोगों के मन में इससे जुड़े कई भ्रम घर करते जा रहे हैं जिनकी सच्चाई कुछ अलग ही है। आइए आज आपको चाय से जुड़े कुछ भ्रम और उनकी सच्चाई के बारे में बताते हैं।

भ्रम- दूध वाली चाय के सेवन से स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचता है

कई लोगों का यह मानना है कि दूध वाली चाय के सेवन से स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचता है, लेकिन इस बात की सच्चाई से लोग अनजान है। दरअसल, कई लोगों का मानना है कि चाय में दूध मिलाने से इसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं, जबकि यह गलत है। चाय में दूध मिलाने से कभी भी इसके पोषक तत्व कम नहीं होते हैं, बल्कि दूध मिलाने से शरीर में कैल्शियम की पूर्ति होती है।

भ्रम- ग्रीन टी पीने से तुरंत कम होता है वजन

अगर आप इस बात को सच मानते हैं कि ग्रीन टी पीने से वजन तुरंत कम होता है तो आपको बता दें कि यह सिर्फ आपका भ्रम है। भले ही ग्रीन टी में मौजूद पोषक तत्व मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने और फैट बर्न करने में मदद करते हों, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि सिर्फ ग्रीन टी पीन से ही वजन कम होने लगता है। इसके साथ आपको अपनी डाइट और एक्सरसाइज पर भी पूरा ध्यान देना होगा।

भ्रम- चाय कैंसर के जोखिम को कम करने में मदद कर सकती है

चाय से जुड़ा एक भ्रम यह भी है कि यह कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के जोखिम को कम करने में मदद कर सकती है, जबकि ऐसा कुछ नहीं है। हम ऐसा इसलिए कह सकते हैं क्योंकि इस बात का कोई चिकित्सकीय प्रमाण नहीं है कि चाय कैंसर के जोखिम को कम कर सकती है।

शब्द सामर्थ्य- 183

बाएं से दाएं
1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे
1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

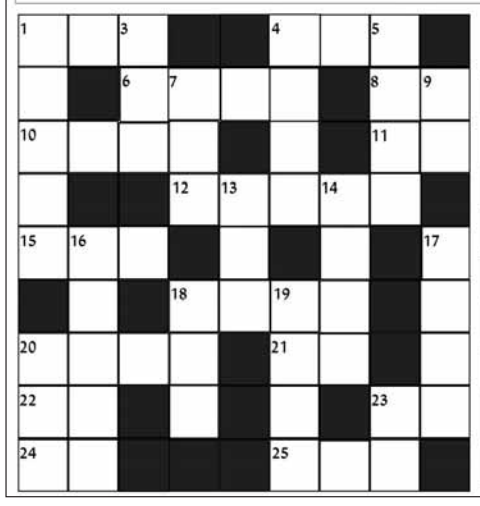

शब्द सामर्थ्य क्रमांक182 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

सू-दोकू- 183

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.182 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7